OM 22 MAHARASHTRA final_Page 1 and 2 18/02/2015 17:49 Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूलयनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक - 22 फरवरी-II, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

प्रेम और दृढ़ता का दूसरा नाम ब्रह्माकुमारीज़:नायडू

शान्तिसरोवर रिट्रीट सेंटर का दसवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद। यहाँ पहुँचने के बाद मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि ऐसा शान्त आध्यात्मिक वातावरण शायद ही कहीं और होगा। एक भरपूर शान्ति का अनुभव आप सभी को देखने के बाद हुआ। इसके लिए मैं आप सभी का अभिवादन करता हूँ। आज से दस वर्ष पूर्व कुछ लोगों के कहने पर मैं माउण्ट आबू पहुँचा। वहाँ पहुँचने के बाद मुझे ऐसा महसूस हुआ कि दृढ़ता का दूसरा नाम ही ब्रह्माकुमारीज़ है, क्योंकि ब्रह्माकुमारी वाले जिस किसी को भी बदलने का ठान लेते हैं तो तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते जब तक कि उसके जीवन में परिवर्तन न आये। उक्त उद्‌गार शांतिसरोवर के दसवें वार्षिकोत्सव समारोह में आंध्रप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री के पद पर व्यस्त था, ब्रह्माकुमारी बहनें बराबर मेरे पास आकर आग्रह करते थे कि आप एक बार माउण्ट आबू का दर्शन अवश्य कीजिए, दादी जी का आशीर्वाद लीजिए। अत: मैं माउण्ट आबू पहुँचा और वहाँ उस स्थान का 5/6 घंटे निरीक्षण करने के बाद मुझे लगा कि दुनिया के श्रेष्ठतम मैनेजमेंट गुरुओं को भी मात देने वाली ब्रह्माकुमारीज़ की व्यवस्था और प्रबंधन है।

आदरणीय रतनमोहिनी दादी जी ने सभी को नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि आंध्रप्रदेश के इतने लोगों को शांति-सरोवर के द्वारा परमात्म संदेश का लाभ मिल रहा है। चंद्रबाबू नायडू इस शान्तिसरोवर स्थापना के निमित्त बने। जिन्होंने इस कार्य को इतना महत्व देकर, परमात्मा के कर्त्तव्य को समझकर आगे बढ़ाया। जितना यह कार्य आगे बढ़ता रहेगा उसका श्रेय चंद्रबाबू नायडू को मिलेगा। परमात्मा उनसे कार्य करा रहे हैं और आगे भी कराते रहेंगे और सदा उनको परमात्मा से आशीर्वाद मिलता रहेगा।

ब्र.कु.संतोष ने कहा कि पानी के सरोवर तो दुनिया में बहुत हैं लेकिन यह शान्तिसरोवर बना है खास शान्ति की प्यास बुझाने के लिए। हमारे दैवी भ्राता मा.मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जी ने बहुत ही शुभ भावना और स्नेह से यह स्थान दिया। यहाँ आकर अनेक आत्माएं सच्ची शान्ति और शक्ति प्राप्त करते हैं। उन आत्माओं का आशीर्वाद मुख्यमंत्री जी को मिलता रहता है। लाखों आत्माएं यहाँ आकर ज्ञान स्नान करके गति-सद्‌गति का, परमात्मा से मिलने का रास्ता प्राप्त कर रहे हैं। यह स्थान केवल आंध्रप्रदेश या तेलंगाना के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए लाइट हाउस बनकर के कार्य कर रहा है। शान्ति-सरोवर की निदेशिका ब्र.कु.कुलदीप ने अपनी भावनायें व्यक्त करते हुए कहा कि जैसे परमात्मा सृष्टि के रचयिता हैं, स्वर्णिम दुनिया बनाने वाले हैं वैसे ही मा.मुख्यमंत्री जी का आंध्रप्रदेश को स्वर्णिम आंध्रप्रदेश बनाने का स्वप्न है उसका पहला साकार मिसाल यह शान्तिसरोवर है। वे आध्यात्मिक मूल्यों के साथ कार्य करने - शेष पेज 7 पर...

हैदराबाद। दीप प्रज्वलन करते हुए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, दादी रतनमोहिनी, वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. कुलदीप व अन्य।

अकादमी फॉर बेटर वर्ल्ड एंड बेटर टुमॉरो नहीं बल्कि बेटर फॉर एवर है–नायडू

माउण्ट आबू में मैंने देखा कि बड़े-बड़े लोग स्वयं भोजन बना रहे हैं, खुद परोस भी रहे हैं और सफाई भी कर रहे हैं। मुझे यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं कि यह एक अद्‌भुत संस्था है और समाज में परिवर्तन लाना ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा ही संभव है। अत: मैंने सोचा कि माउण्ट आबू के समान ही हैदराबाद में भी एक बेस्ट सेंटर की स्थापना हो। इस प्रकार का प्रस्ताव मैंने उनके आगे रखा। शहर से दूर गच्चिबाउली का स्थान बहुत ही पथरीला और खड्डों से भरा हुआ था। इस एकांत स्थान पर मैंने सिर्फ इन्फोसिस आय.टी.कंपनी के लिए और इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस के लिए ही जगह दी थी क्योंकि उनका पेशा काफी तनावग्रस्त होता है। अत: ब्रह्माकुमारीज़ अकादमी के लिए भी यही स्थान मैंने उपयुक्त समझा। इस स्थान पर मैंने 'अकादमी फॉर ए बेटर वर्ल्ड एंड बेटर टुमॉरो' की अपेक्षा की थी लेकिन यहाँ आकर मैंने देखा कि अकादमी फॉर बेटर वर्ल्ड एंड बेटर टुमॉरो नहीं बल्कि बेटर फॉर एवर है। मुझे बताया गया कि इस पथरीली ज़मीन पर अभी फूलों का उद्यान बनाया गया है लेकिन मैं देखता हूँ कि यह फूलों का उद्यान नहीं बल्कि सोने का उद्यान है। मैंने देखा ब्रह्माकुमारीज़ का जीवन टेन्शन फ्री है क्योंकि इनके जीवन में कोई अनावश्यक इच्छाएं नहीं हैं। सभी समस्याओं का मूल कारण व्यर्थ इच्छाएं हैं। ब्रह्माकुमारीज़ दूसरों के जीवन में शान्ति और प्रकाश फैलाने का कार्य कर रही है, मैं उनका अभिवादन करता हूँ।

मूल्यों का बोध करनेवाली ब्रह्माकुमारीज़ एक मात्र संस्था

यह संस्था महिला प्रधान है। लेकिन पुरुष भी इस संस्था के कार्य में सहयोगी हैं। मैं भी इस संस्था के कार्य में सहयोग देने के लिए तत्पर हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ के जीवन में जो खुशी दिखाई देती है उसका मुख्य कारण है कर्त्तव्य प्रति उनकी निष्ठा। मैं चाहता हूँ कि हर व्यक्ति व्यस्त रहे, उसके कर्म शुभ हों, कर्त्तव्य परायण हों तो उसके जीवन में कभी भी टेन्शन नहीं होगा, अशान्ति नहीं आयेगी। इस प्रकार से मूल्यों का बोध करनेवाली ब्रह्माकुमारीज़ एक मात्र संस्था है। मैं समझता हूँ कि दस वर्ष पूर्व में मैंने निर्णय लिया था वह बिल्कुल उचित था। आगे उन्होंने कहा कि आंध्रप्रदेश के 3 जिलों विजयवाड़ा, वैजाग और तिरुपति में भी स्थान देने के लिए तैयार हूँ और चाहता हूँ कि इन तीनों स्थानों पर भी अच्छे रिट्रीट सेंटर का निर्माण हो। साथ-साथ आंध्रप्रदेश के दस जिलों में भी ब्रह्मा-कुमारीज़ संस्था खोलने का निवेदन किया।

हैदराबाद। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सम्मानित करते हुए दादी रतनमोहिनी, वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. कुलदीप व अन्य। सभा में ब्र.कु. भाई-बहनें तथा गणमान्य जन।